



Gourav



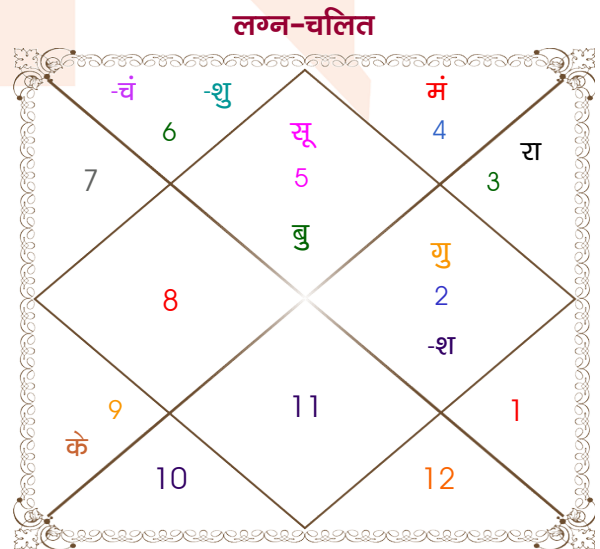
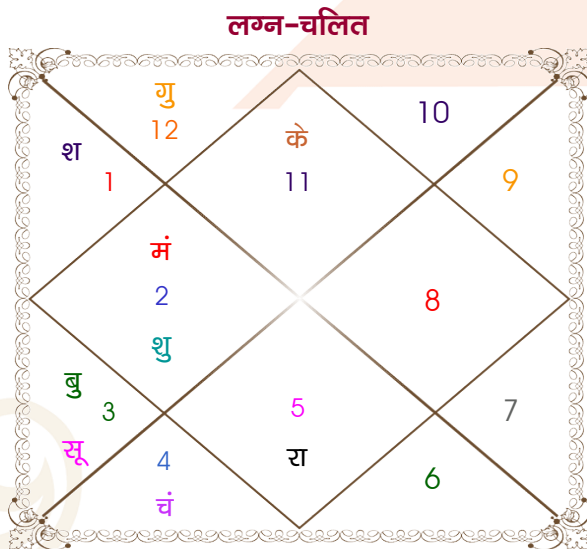
Mamta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121857202

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 26/06/1998 : _____ जन्म तिथि _____ : 31/08/2000
 शुक्रवार : _____ दिन _____ : गुरुवार
 घंटे 23:00:00 : _____ जन्म समय _____ : 07:00:00 घंटे
 घटी 44:01:03 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 02:32:59 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Karnal : _____ स्थान _____ : Gohana
 29:41:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 29:06:00 उत्तर
 76:59:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 76:43:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:22:04 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:23:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:23:34 : _____ सूर्योदय _____ : 06:00:22
 19:25:59 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:45:51
 23:50:02 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:51:44

विंशोत्तरी शनि 4वर्ष 4मा 28दि केतु 24/11/2019 24/11/2026	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 1वर्ष 9मा 0दि राहु 02/06/2019 01/06/2037
केतु	21/04/2020	21:04:31	कुंभ	लग्न	सिंह 26:16:18	राहु
शुक्र	21/06/2021	11:04:31	मिथु	सूर्य	सिंह 14:05:34	गुरु
सूर्य	27/10/2021	13:34:14	कर्क	चंद्र	कन्या 06:06:34	शनि
चन्द्र	28/05/2022	29:36:07	वृष	मंगल	कर्क 25:23:48	बुध
मंगल	24/10/2022	28:54:32	मिथु	बुध	सिंह 22:32:16	केतु
राहु	12/11/2023	03:29:51	मीन	गुरु	वृष 15:58:13	शुक्र
गुरु	18/10/2024	08:47:17	वृष	शुक्र	कन्या 06:01:52	सूर्य
शनि	27/11/2025	07:43:15	मेष	शनि	वृष 06:58:40	चन्द्र
बुध	24/11/2026	09:07:28	सिंह व	राहु व	मिथु 29:56:28	मंगल
		09:07:28	कुंभ व	केतु व	धनु 29:56:28	
		18:17:32	मक व	हर्ष व	मक 24:12:49	
		07:38:21	मक व	नेप व	मक 10:27:22	
		12:05:52	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि 16:19:06	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

Gourav का वर्ग श्वान है तथा Mamta का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Gourav और Mamta का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Gourav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Mamta मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुण्डली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mamta कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमे: वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mamta कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mamta कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Gourav कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Gourav तथा Mamta में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।